राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 वर्ष-9,अंक-68 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इंडियन करेंसी की 12 साल में अब तक की सबसे लंबी छलांग

● डॉलर के मुकाबले गिरते रुपए को अचानक लगे पंख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रुपये में हाल में पिछले हफ्ते काफी गिरावट आई थी और यह डॉलर के मुकाबले 95 के पार पहुंच गया था लेकिन आज इसमें काफी तेजी आई। रुपया डॉलर के मुकाबले करीब 2 प्रतिशत तक मजबूत होकर 92.94 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद इसमें एक दिन में आई सबसे बड़ी तेजी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने

डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के बीच बुधवार को अधिकृत डीलरों के लिए कई नए कदमों की घोषणा की थी। ये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। मार्च में रुपये में 4 फीसदी गिरावट आई थी जो छह साल में एक महीने में आई सबसे बड़ी गिरावट है। केंद्रीय बैंक ने एक अधिसूचना में कहा कि अधिकृत डीलर यानी विदेशी मुद्रा लेनदेन की अनुमति वाले बैंक अब रुपये से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी और अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे। इस कारण आज रुपये में तेजी देखने को मिली।

हिमाचल में चिट्टा तस्करों के पंचायत चुनाव लड़ने पर रोक

● प्रधान की जाएगी कुर्सी, सरकार ने कानून बदला

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में चिट्टा तस्करी में शामिल लोग पंचायत चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। विधानसभा में गुरुवार को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026 बिना चर्चा के पारित कर दिया गया। अब इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राज्यपाल की स्वीकृति मिलते ही यह प्रावधान प्रभावी हो जाएगा और चिट्टा तस्करी से जुड़े लोग चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह द्वारा बीते बुधवार को इस विधेयक को सदन में पेश किया था। इस संशोधन के तहत पंचायत जनप्रतिनिधियों पर भी

सख्त प्रावधान लागू होंगे। यदि कोई प्रधान, उप प्रधान, वार्ड मेंबर, बीडीसी सदस्य या जिला परिषद सदस्य चुने जाने के बाद चिट्टा तस्करी में संलिप्त पाया जाता है और उस पर आरोप तय हो जाते हैं, तो उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी। **ग्राम सभाओं के कोरम में बड़ा बदलाव-** विधेयक में ग्राम सभाओं के कोरम को लेकर भी अहम संशोधन किया गया है। अब तक ग्राम सभा के लिए 25 प्रतिशत परिवारों की उपस्थिति अनिवार्य थी, लेकिन नए प्रावधान के तहत इसे बदल दिया गया है। अब कुल परिवारों की बजाय कुल मतदाताओं में से 10 प्रतिशत की उपस्थिति को कोरम माना जाएगा।

जग्गी हत्याकांड...

अजित जोगी के बेटे अमित जोगी ठहराए गए दोषी करार

● 3 हफ्ते के अंदर करना होगा सरेंडर, हाईकोर्ट ने माना हत्या की राजनीतिक साजिश हुई

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के साक्ष्य को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया गया है।

वहीं फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि हाईकोर्ट ने बिना पूरा सुनवाई का मौका दिए उन्हें दोषी ठहरा दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश के तहत कराई गई थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य शामिल हैं। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था, लेकिन बाद में मामला दोबारा खोला गया। 4 जून 2003 को राजधानी रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अपनी एयरफोर्स को मिलेगा हाईटेक माउंटेन रडार

● दुश्मनों पर रहेगी पैनी नजर, 1950 करोड़ रुपए में हुई डील

डीआरडीओ द्वारा डिजाइन, बीईएल द्वारा निर्मित स्वदेशी रडार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक बड़ा कदम उठाया है। भारतीय वायुसेना के लिए आधुनिक माउंटेन रडार खरीदने का समझौता किया गया है, जिससे पहाड़ी इलाकों में निगरानी और सुरक्षा क्षमता और मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करीब 1950 करोड़ रुपये का बड़ा करार किया है। इस समझौते के तहत भारतीय वायुसेना के लिए दो माउंटेन रडार और उनसे जुड़े उपकरण व इंफ्रास्ट्रक्चर खरीदे जाएंगे।

इन रडार की तैनाती और संचालन से देश की एयर डिफेंस क्षमता बढ़ेगी और राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी। साथ ही इससे विदेशी उपकरणों पर निर्भरता भी कम होगी।

ये रडार पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से बनाए गए हैं। इन्हें डीआरडीओ के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन और विकसित किया है। इनका निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जिससे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और मेक इन इंडिया पहल को मजबूती मिलेगी। यह करार बाय (इंडियन-इंडिजिनसली डिजाइन, डेवलप और मैन्युफैक्चर) श्रेणी के तहत किया गया है, जिसका मतलब है कि उत्पाद पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित होगा। इस समझौते पर 31 मार्च को रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। यह पिछले वित्त वर्ष का आखिरी बड़ा रक्षा खरीद सौदा भी रहा।

ब्रह्मोस, तेजस और आकाश ने किया 'बम-बम'

● दुनिया ने माना लोहा, भारत बना बड़ा निर्यातक देश

भारत ने 38,424 करोड़ के बेचे स्वदेशी हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा निर्यात में वित्त वर्ष 2025-26 में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में डिफेंस एक्सपोर्ट का आंकड़ा रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपए के मुकाबले 62.66 फीसदी ज्यादा है। सरकार के अनुसार, इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) और निजी क्षेत्र, दोनों का अहम योगदान रहा। कुल निर्यात में डीपीएसयू का हिस्सा 54.84 फीसदी और निजी कंपनियों का 45.16 प्रतिशत रहा। इस कामयाबी पर

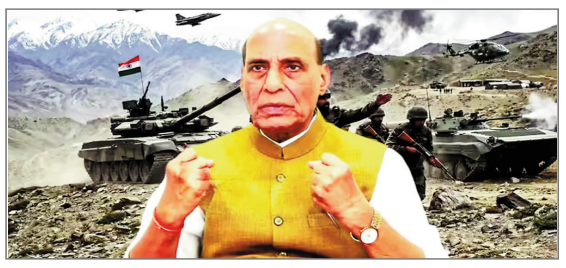

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश सफलता की शानदार कहानी लिखा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि रक्षा निर्यात में यह बड़ी छलांग भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं पर बढ़ते वैश्विक भरोसे को दर्शाती है। देश रक्षा निर्यात में सफलता की शानदार कहानी लिख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले वित्त वर्ष तुलना में काफी ज्यादा है।

भारत से इन हथियारों की सबसे ज्यादा डिमांड

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को घुटनों पर लाने के बाद भारत लगातार अपनी सैन्य क्षमता को और मजबूत बनाने में जुटा है। इसके लिए अत्याधुनिक हथियारों पर फोकस बढ़ाया गया है। यही नहीं भारत स्वदेशी हथियारों पर ज्यादा ऐक्टिव है। वहीं भारत से कई देश हथियारों की खरीद बढ़ा रहे, जिसकी वजह से डिफेंस एक्सपोर्ट रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ा है। ऐसा होने की वजह भारतीय से एक्सपोर्ट हथियारों पर इन देशों को ज्यादा भरोसा होना है। जानें वो कौन-कौन से हथियार हैं जिस पर दूसरे देश भरोसा जता रहे। भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश मिसाइल पर भी दुनिया की निगाहें हैं। कई देश इन मिसाइल सिस्टम को पसंद कर रहे। सऊदी अरब, वियतनाम और केन्या समेत कई राष्ट्र ऐसे हैं जो आकाश मिसाइल सिस्टम की डिमांड कर चुके हैं। भारत की पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर की भी डिमांड कई देशों तेजी से बढ़ रही। ऐसा इसलिए क्योंकि ये ऐसी टेक्नोलॉजी है जो एक साथ कई रॉकेट दाग सकता है। इसकी रेंज 75 से 120 किलोमीटर तक है। यह जीपीएस तकनीक से काम करता है। आर्मेनिया को ये सिस्टम भेजा गया है। कुछ दक्षिण अमेरिकी देशों में भी इसकी डिमांड है।

होर्मुज संकट पर ईरान ने कर दिया बड़ा ऐलान

कहा-हमारे भारतीय दोस्त सुरक्षित, उन्हें नहीं रोकेंगे

भारत को मित्र देश बताया, सुरक्षा भी सुनिश्चित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने भारत को बड़ी राहत देते हुए होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने का आश्वासन दिया है। ईरान ने भारत को मित्र देश बताते हुए कहा है कि भारतीय ध्वज वाले जहाज और उसमें सवार नाविक सुरक्षित हैं, जिससे एलपीजी और तेल की आपूर्ति बनी रहेगी। ईरान ने कहा है कि भारतीय मित्रों को होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को लेकर कोई चिंता करने की जरूरत नहीं।

● **अब तक 8 जहाज पार कर चुके हैं होर्मुज-** अब तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होर्मुज से निकल चुके हैं। इनमें दो एलपीजी कैरियर बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू एल्म शामिल हैं, जिनमें कुल लगभग 94,000 टन एलपीजी का कार्गो था। वर्तमान में भारत के लिए 19 जहाज एलपीजी, कच्चे तेल और एलएनजी लेकर होर्मुज में फंसे हुए हैं। 10 विदेशी झंडे वाले जहाज भारत के लिए ऊर्जा कार्गो लेकर फंसे हैं। इनमें 3 एलपीजी भी हैं।

राजस्थान पंचायत और निकाय चुनाव में देरी पर हाईकोर्ट सख्त

जारी किया अवमानना नोटिस, 4 सप्ताह में देना होगा जवाब

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव कराने में हो रही देरी को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा की खंडपीठ ने गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग और

राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए पूछा है कि हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया में इतनी देरी क्यों की जा रही है। यह पूरा मामला पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की ओर से दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है।

● **सरकार और आयोग पर चुनाव टालने का आरोप-** सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार और चुनाव आयोग जानबूझकर चुनाव टालने की कोशिश कर रहे हैं। आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम से यह स्पष्ट है कि 15 अप्रैल तक चुनाव होना नामुमकिन है। दूसरी ओर, सरकार की तरफ से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने पक्ष रखते हुए कहा कि सरकार चुनाव की तारीखें आगे बढ़ाने के लिए एक प्रार्थना पत्र दायर करने वाली है। हालांकि, कोर्ट ने सरकार के इस तर्क को फिलहाल दरकिनार करते हुए कहा कि प्रार्थना पत्र बाद की स्थिति है।

राघव चड्ढा को एएपी ने डिप्टी लीडर पद से हटाया

● सांसद के राज्यसभा में बोलने पर भी लगा दी पाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखते हुए सदन में अपने डिप्टी लीडर राघव चड्ढा को उनके पद से हटाने का आग्रह किया है। पार्टी ने अपने पत्र में ये भी कहा है कि राघव चड्ढा को आप के कोटा से बोलने का समय भी न दिया जाए। इसके साथ ही पार्टी ने एक पत्र राज्यसभा सचिवालय को लिखा है, जिसमें राघव चड्ढा की जगह अशोक मित्तल को डिप्टी स्पीकर बनाने का अनुरोध किया है। अशोक मित्तल पंजाब से आम आदमी पार्टी के सांसद हैं। उनका चयन अप्रैल 2022 में राज्यसभा में हुआ था। तब से ही वह कई संसदीय समितियों के सदस्य रह चुके हैं। इनमें रक्षा समिति, वित्त समिति प्रमुख है।

आई पैक के दिल्ली-बेंगलुरु हैदराबाद के ठिकानों पर रेड

● ईडी ने कस दिया शिकंजा, कोयला घोटाले से जुड़ा है मामला

कंपनी ममता की पार्टी टीएमसी का चुनाव मैनेजमेंट देख रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को पॉलिटिकल कंसल्टेंट कंपनी आई पैक के तीन ठिकानों पर छापेमारी की। टीम दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में कंपनी के दफ्तरों पर कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, छापेमारी कोयला चोरी और घोटाले से जुड़े मामले में हो रही है। कंपनी के को-फाउंडर और डायरेक्टर ऋषि राज सिंह के ठिकाने भी इस कार्रवाई के दायरे में हैं। आई पैक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के लिए चुनाव मैनेजमेंट का काम देखती है। आई पैक और उसके डायरेक्टर पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इस मामले में ईडी ने 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी। पूरा मामला करीब 2,742 करोड़ रुपए से जुड़ा है। इससे पहले जनवरी में ईडी ने कोलकाता में आई पैक के दफ्तर और डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की थी। हाल ही में ईडी ने सिंह और जैन को बयान दर्ज कराने के लिए समन भेजा था। दोनों ने इन नोटिस को रद्द कराने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। उनका कहना है कि वे बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव में व्यस्त हैं। 8 जनवरी को ईडी की टीम ने प्रतीक जैन को घेरा था।

कहा-हमें पता है बंगाल में उपद्रवी कौन, वोटर लिस्ट से नाम कटने पर हंगामा

7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक, सुप्रीम कोर्ट नाराज

कोलकाता (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी

जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित एसआईआर कैंप के सामने भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया। सड़क पर टायरों में आग लगा दी गई।

ममता का आरोप, मेरी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं

सीएम बनर्जी ने कहा कि चुनाव आयोग कानून और व्यवस्था को कंट्रोल करने में पूरी तरह विफल रहा है। सीएम ने कहा, मेरी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं। मुर्शिदाबाद जिले में एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे (बंधकों के बारे में) आधी रात को एक पत्रकार से पता चला। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मैं समझती हूं कि लोग क्यों नाराज हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट में नाम हटाए जाने से नाराज लोगों ने सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने इस मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लिया और आज सुबह इस पर सुनवाई की। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि पश्चिम बंगाल में हर कोई केवल राजनीतिक भाषा बोलता है।

एमपी के भोजशाला मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई

● सभी याचिकाओं पर एक साथ ही दलीलें सुनेगा हाईकोर्ट ● एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर आपत्तियां रखेगा मुस्लिम पक्ष

इंदौर/धार (एजेंसी)। धार के भोजशाला विवाद मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच सोमवार दोपहर ढाई बजे से सभी याचिकाओं को एक साथ सुनेगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट किया है कि पहले याचिकाकर्ताओं के तर्क सुने जाएंगे, फिर आपत्ति लगाने वालों को दलील रखने का अवसर दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी मौजूद रहे जबकि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से एडवोकेट सलमान खुर्शीद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नक्सलवाद का अंत, रेडकॉरिडोर का सपना चकनाचूर

(लेखक--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

-क्या अब भ्रष्टाचार व नशा मुक्ति के अंत की अगली ऐतिहासिक डेडलाइन का समय आ गया है? -भारतीय जनता के हर वर्ग की अपेक्षा -समग्र विश्लेषण

जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी,तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता?

नक्सलवाद के खिलाफ़ जैसे जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार व नशाखोरी के खिलाफ़ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जाने की खास जरूरत है

वैश्विक स्तरपर भारत के समकालीन राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद के लगभग अंत की घोषणा के साथ अब राष्ट्रीय एजेंडा एक नए लक्ष्य की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है,भ्रष्टाचार मुक्त भारत। यह केवल एक नारा या राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि शासन- प्रणाली, विकास मॉडल और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की परीक्षा है। जिस प्रकार नक्सल मुक्त भारत के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित कर व्यापक रणनीति के साथ कार्य किया गया,उसी प्रकार अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक ठोस डेडलाइन तय की जानी चाहिए?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,अब भारतीय नक्सलवाद का अध्याय लगभग समाप्ति की ओर है,तो स्वाभाविक रूप से ध्यान देश की दूसरी बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की ओर जा रहा है।भ्रष्टाचार जो न केवल आर्थिक संसाधनों की बर्बादी करता है,बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है,आज विकास की राह में सबसे बड़ा अवरोध बन चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ अक्सर अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता, क्योंकि बीच में बिचौलियों और भ्रष्ट अधिकारियों का एक जाल सक्रिय रहता है। ऐसे में यह विचार तेजी से उभर रहा है कि जैसे नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जानी चाहिए।सरकारी पैसा सीधे जनता की जेब में यह विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुधार का एक महत्वपूर्णसिद्धांत है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे लाखों लोगों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिला है। लेकिन इसके बावजूद भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।फाइलों को जानबूझकर अटकाना, रिश्वत की मांग करना और जांच प्रक्रियाओं को लंबित रखना सबसे बड़ी बात ऊपरी लेवल तक ठेको सहित अन्य करों में 40-50 परसेंट का लेनदेन आज भी आम समस्याएं हैं। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए स्पष्ट समय- सीमा तय की जाए और उसमें देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड तक सीमित नहीं हो सकती इसको समझने की करें तो, इसके लिए एक व्यापक संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है,जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नागरिक भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए।

शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा और त्वरित न्याय का भरोसा देना भी इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर देखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जिससे अन्य लोग आगे आने से डरते हैं। यदि इस भय को समाप्त नहीं किया गया, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी अभियान अधूरा रहेगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो जिन देशों ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण पाया है,उन्होंने सख्त कानूनों के साथ-साथ तकनीकी नवाचार और संस्थागत सुधारों को अपनाया है।सिंगापुर और स्कैंडिनेवियाई देशों के उदाहरण इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया गया है। प्रारंभ में यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम था, लेकिन समय के साथ यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। करीब छह दशकों तक चले इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान गई, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान और आम नागरिक दोनों शामिल थे। लेकिन 2024 में एक निर्णायक मोड़ आया, जब देश के गृह मंत्री ने नक्सलवाद के अंत के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। इसके बाद सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने रेड कॉरिडोर के विस्तार को तेजी से सीमित कर दिया। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाए गए, नक्सली नेतृत्व को कमजोर किया गया और हजारों कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल गतिविधियों के गढ़ माने जाते थे, वहां अब स्कूल, सड़कें और राशन की दुकानें खुलने लगी हैं। यह परिवर्तन केवल सुरक्षा की दृष्टि से नहीं, बल्किसामाजिक और आर्थिक विकास के संकेत के रूप में भी महत्वपूर्ण है।हालांकि, इस उपलब्धि पर राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे ऐतिहासिक सफलता के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर बहस की चुनौती यह दर्शाती है कि नक्सलवाद का पूर्ण अंत अभी भी एक बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और देश ने इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

साथियों बात अगर हम नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के बीच एक महत्वपूर्ण समानता को समझने की करें तो वह यह है कि दोनों ही विकास और सुशासन के लिए बाधक हैं। जहां नक्सलवाद ने देश के कुछ हिस्सों को विकास की मुख्यधारा से अलग कर दिया, वहीं भ्रष्टाचार ने पूरे देश में संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को प्रभावित किया। इसलिए यदि नक्सलवाद के अंत को एक नई आज़ादी के रूप में देखा जा रहा है, तो भ्रष्टाचार से मुक्ति को वास्तविक आज़ादी की दिशा में अगला कदम माना जा सकता है।अब सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक निश्चित डेडलाइन तय की जा सकती है? यह एक जटिल प्रश्न है, क्योंकि नक्सलवाद की तरह यह एक स्पष्ट और सीमित क्षेत्र में फैली समस्या नहीं है। यह समाज और व्यवस्था के हर स्तर पर मौजूद है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इसके खिलाफ ठोस और समयबद्ध कार्रवाई संभव नहीं है। यदि स्पष्ट लक्ष्यों, मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रभावी कार्यान्वयन के साथ एक रणनीति बनाई जाए, तो निश्चित रूप से इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की जा सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नक्सल मुक्त भारत से भ्रष्टाचार मुक्त भारत की यात्रा केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय परिवर्तन का संकेत है। यह यात्रा आसान नहीं होगी, लेकिन यदि इसे सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत को एक नए युग में प्रवेश कराने का माध्यम बन सकती है एक ऐसा युग जहां विकास समावेशी हो, शासन पारदर्शी हो और नागरिकों का विश्वास अटूट हो।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा और त्वरित न्याय का भरोसा देना भी इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर देखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जिससे अन्य लोग आगे आने से डरते हैं। यदि इस भय को समाप्त नहीं किया गया, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी अभियान अधूरा रहेगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो जिन देशों ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण पाया है,उन्होंने सख्त कानूनों के साथ-साथ तकनीकी नवाचार और संस्थागत सुधारों को अपनाया है।सिंगापुर और स्कैंडिनेवियाई देशों के उदाहरण इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया गया है।

संपादकीय

जिंदगी निगलती भीड़

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है क्योंकि निहित स्वार्थी तत्व अकसर निर्दोष लोगों को जाति व संप्रदाय के नाम पर अपने बहुलता वाले इलाके में शिकार बना लेते हैं। प्रश्न यह भी है कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारों की तरफ से जमीनी स्तर पर कारगर कदम उठाने की पहल क्यों नहीं होती? जाहिर बात है कि व्यक्ति विशेष को शक के आधार पर निशाना बनाने वाले लोगों में कानून का डर न के बराबर ही होता है। साथ ही आसपास के लोगों का महज तमाशबीन बना रहना भी भीड़ के अराजक व्यवहार को बढ़ावा देता है। वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है। निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपना सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, वह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। पिछले दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं। ये हमारे मानवीय मूल्यों व संवेदना का भी क्षरण है। दरअसल, हमारे समाज में संयुक्त परिवारों का बिखराव होने से बच्चों की संवेदनशील ढंग से परवरिश का न हो पाना भी युवाओं में बढ़ती आक्रामकता की वजह बन रहा है। पहले स्कूलों में शिक्षकों का दबदबा होता था और छात्र जीवन में अनुशासन का पाठ सीखते थे। मां-बाप के लाड़-प्यार और बच्चों को स्वच्छंद व्यवहार की आजादी ने उन्हें उच्छृंखल बनाया है। एकल परिवारों में पलने वाले अकेले बच्चों में दूसरों को आसानी से सहन न करने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर समाज में लगातार जटिल होता जीवन भी उग्रता को बढ़ावा दे रहा है।

रंगमंच- वह ऑफलाइन दुनिया, जहाँ इमोजी नहीं, असली आँसू बहते हैं

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(3 अप्रैल हिन्दी रंगमंच दिवस)

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है। रंगमंच हमें आईना दिखाता है, और आईना कभी सुखद नहीं होता। वह हमें हमारी झुर्रियां दिखाता है, हमारे भीतर की कुंठाएं दिखाता है और हमें मजबूर करता है कि हम खुद से रूबरू हों। यही कारण है कि सत्ताएं हमेशा रंगमंच से डरती रही हैं, क्योंकि यहाँ संवाद केवल जुबानों से नहीं, रूहों से होता है। लेकिन आज एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हम एक दर्शक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं? हिंदी रंगमंच आज भी उन चंद पागलों के भरोसे जिंदा है जो दिन भर की थकाऊ नौकरी के बाद शाम को रिहर्सल के लिए अंधेरे कमरों में जुटते हैं। उनके पास न तो कॉर्पोरेट की फंडिंग है और न ही चमक-धमक वाले विज्ञापनों का सहारा। उनके पास सिर्फ एक जुनून है जो उन्हें हर शाम फिर से मेकअप रूम में ले आता है। वे जानते हैं कि शो खत्म होने के बाद उन्हें उसी साधारण जिंदगी में लौटना है जहाँ बिल भरने की चिंता है। फिर भी, वे हर रात मंच की वेदी पर खुद को होम करते हैं ताकि संवाद की लौ बुझने न पाए। क्या हमने कभी सोचा है कि एक टिकट खरीदकर नाटक देखना किसी मंदिर में दान देने से कहीं बड़ी सांस्कृतिक सेवा है? रंगमंच हमें देखना नहीं, महसूस करना सिखाता है। डिजिटल दुनिया ने हमें जोड़ा तो बहुत है, लेकिन हमें अकेला कर दिया है। हम अपनी स्क्रीन पर दुनिया भर का दुख देखते हैं और एक इमोजी बनाकर आगे बढ़ जाते हैं। रंगमंच पर ऐसा नहीं होता। वहां अभिनेता के आंसू दर्शक के गालों पर महसूस किए जाते हैं। यह वह जगह है जहाँ मनुष्यता का आखिरी सिरा सुरक्षित है। अगर रंगमंच मर गया, तो समझ लीजिए कि हमारे समाज से सहानुभूति और प्रतिरोध की क्षमता हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। संवादहीनता के इस दौर में नाटक ही वह आखिरी खिड़की है जहाँ से ताजी हवा आ सकती है।

आज इस खास दिन पर हमें यह समझना होगा कि नाटक का पर्दा केवल लकड़ी के तख्तों पर नहीं गिरता, वह हमारे भीतर के अंधकार पर भी गिरना चाहिए। हिंदी रंगमंच की ताकत उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उसकी सादगी और सच्चाई में है। यह उत्सव केवल इतिहास की किसी तारीख को याद करने का नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर के उस दर्शक को जगाने का है जो भीड़ में अपनी पहचान खो चुका है। आइए, इस 3 अप्रैल को किसी अंधेरे हॉल में बैठें और उस रोशनी का स्वागत करें जो सीधे मंच से हमारे दिलों की ओर आती है। क्योंकि जब तक दुनिया में अन्याय रहेगा और जब तक इंसान के भीतर प्रेम की आग बाकी रहेगी, तब तक रंगमंच की मशाल जलती रहेगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

चिंतन मनन

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलत- इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलत- वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलत- सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्विक नहीं होते। शुद्ध सत्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अत- किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

विचार मंथन

ट्रंप के संदेश से वैश्विक तनाव बढ़ा,दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर?

(लेखक- सनत जैन)

डोनाल्ड ट्रंप ने जो ताजा संदेश दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस संदेश ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बड़ी हलचल तेज कर दी है। माना जा रहा था कि वह ईरान युद्ध को लेकर कोई स्पष्ट नीति की घोषणा करेंगे। लेकिन उन्होंने किस तरह का कोई बयान नहीं दिया। उनके बयान के बाद यह आशंका जताई जा रही है। जिस तरह से उन्होंने अपना पल्ला झाड़ है, उसके बाद दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की ओर बढ़ सकती है। खासकर ईरान के खिलाफ कई देशों को एकजुट करने की बात ने वैश्विक संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मध्य-पूर्व पहले से ही युद्ध के कारण कई कारणों से अस्थिर है, जहां इसराइल ,इराक सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देशों के बीच जटिल स्थिति देखने को मिल रही है। यदि इन देशों के बीच युद्ध इसी तरह चलता रहेगा,तो इसका सबसे बड़ा असर इन्हीं देशों पर पड़ेगा। विशेष रूप से इराक और इजराइल को भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान होना तय है।

इतिहास गवाह है, जब भी बड़ी शक्तियां टकराती हैं। तो इसका परिणाम वैश्विक आर्थिक संकट के रूप में सामने आता है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही कई चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में यदि युद्ध की स्थिति बनती है, तो दुनिया में एक नई महामंदी की ओर बढ़ती दिख रही है। ऊर्जा आपूर्ति बाधित होगी, व्यापार ठप पड़ेगा और महंगाई चरम पर पहुंच सकती है। विश्लेषकों का मानना है, यह स्थिति वैसी ही हो सकती है।

जैसी लगभग 36 साल पहले सोवियत यूनियन के विघटन के समय बनी थी। उसी की पुनरावृत्ति होती हुई दिख रही है। उस दौर में आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक दबाव ने सोवियत रूस का विघटन कर उस महाशक्ति को कमजोर कर दिया था। यदि अमेरिका लंबे समय तक किसी बड़े युद्ध में उलझता है।

तो उसके आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए 'विश्व युद्ध' का संकेत मान लेना जल्दबाजी हो सकती है। लेकिन जिस तरह के हालात बन रहे हैं। उससे कभी भी विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, संयुक्त राष्ट्र जैसे संस्थान और वैश्विक शक्तियों एक तरह से निष्क्रिय हैं। जो हालात को नियंत्रित करने में भूमिका निभा सकते हैं। ट्रंप के बयान ने निश्चित रूप से दुनिया के सभी देशों की चिंता बढी हैं। वर्तमान में इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जो युद्ध चल रहा है उसको रोकने की दिशा में ना तो वैश्विक संस्थाएं आगे आ रही हैं ना ही कोई ऐसा नेता अब है जो सब लोगों से बात करके संयम और विवेक से स्थिति को संभाल सके।

इस समय आर्थिक मंदी के संकेत देखने को मिल रहे हैं। दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग की जरूरत है। अमेरिका इजरायल और ईरान के युद्ध का असर

दुनिया के सभी देशों पर पड रहा है। अन्यथा सारी दुनिया विनाश के मुहाने पर खड़ी हुई दिख रही है। वैश्विक संघर्ष का खामियाजा करोड़ों लोगों की आबादी को भुगतना पडेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की मांग बढ़ी, खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क

-स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

नई दिल्ली,।

देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिकक्तें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं। शायद चौथी तिमाही या उसके बाद ही ऐसा हो, क्योंकि मेमरी की कमी कम से कम डेढ़ साल तक बनी रहने की आशंका है।आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है, जब ज्यादा इनपुट लागत के शुरुआती झटके को वैश्विक पर महसूस किया गया था। उन्होंने कहा कि ब्रांड इस बात पर

विचार कर रहे हैं कि मॉडल लाने में देरी करें या कम स्पेसिफिकेशन्स वाले फोन पेश करें।

एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च, टिकटों पर होगा असर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है, जो विमानन क्षेत्र में धीरे-धीरे दक्षता सुधार को दर्शा रही है। भारत के विमानन उद्योग की लागत संरचना में विमान ईंधन और तेल का हिस्सा वित्त वर्ष 2016 में 30 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 39 फीसदी हो गया। भारत की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां परिचालन की कुल लागत का कम से कम एक-तिहाई पैसा ईंधन पर खर्च कर रही हैं। ईंधन मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को एटीएफ की कीमतों में वृद्धि कर दी। तेल कीमतों में पिछले साल मार्च के बाद यह सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई।

कंपनियों के लिए सिम बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली,।

सरकार ने कंपनियों के लिए सिम की बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। अलबत्ता दूरसंचार विभाग से कोई आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के साथ-साथ मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों और डिवाइस विनिर्माताओं को मदद मिलेगी, जिन्होंने तकनीकी चुनौतियों का हवाला देते हुए इस निर्देश को लागू करने पर चिंता जताई थी। सूत्रों ने बताया कि सिम-बाइंडिंग के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने शुरुआत तो की थी, लेकिन छोटे स्तर पर।बता दें दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को निर्देश जारी किए थे। इसमें व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी ऐप-आधारित संचार सेवाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि देश में ऐप-आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने वाले प्लेटफॉर्म के लिए सिम-बाइंडिंग हो। इसका मतलब था कि ओटीटी ऐप को किसी डिवाइस पर चलाने के लिए हमेशा ही केवाईसी सत्यापित किसी फिजिकल सिम की जरुरत होगी। इस निर्देश में पहचान या सेवा वितरण के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल भी अनिवार्य किया था।

भारतीय रुपया 12 साल में बढ़त से सबसे मजबूत, 93.25 पर पहुंचा

-आरबीआई ने करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज की

नई दिल्ली,।

भारतीय रुपया 12 साल में गुरुवार को सबसे बड़ी बढ़त के साथ मजबूत हुआ। इसकी मुख्य वजह यह रही कि बैंकों की स्थानीय मुद्रा स्थितियों पर सीमाएं सख्त करने के कुछ दिनों बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने ऑफशोर डेरिवेटिव मार्केट पर प्रतिबंधों का विस्तार करके करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी। तीन दिन की छुट्टी के बाद कारोबार शुरू होने पर रुपया डॉलर के मुकाबले 1.7 फीसदी तक मजबूत होकर 93.25 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद सबसे बड़ी तेजी है। यह तेजी ऐसे समय आई है जब एशियाई देशों की ज्यादातर मुद्राएं कमजोर बनी हुई थीं। इसी बीच ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के संकेत दिए, जिससे वैश्विक बाजारों में दबाव बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड 5.24 फीसदी बढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.5 फीसदी चढ़कर 104.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशियाई शेयर बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी में 3 फीसदी तक की गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत भी कमजोर रही, जहां सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी तक गिर गए। मुद्रा बाजार सोमवार से बंद थे। 31 मार्च को महावीर जयंती, 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत के कारण मुंद्रा बाजार बंद रहे और 3 अप्रैल को भी गुड

फ्राइडे के कारण बाजार बंद रहेंगे।

आरबीआई ने बैंकों को रुपए से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोक दिया है। साथ ही, कंपनियों को कैंसिल किए गए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने की अनुमति भी नहीं दी है। इससे पहले आरबीआई ने बैंकों की नेट ओपन रुपए पोजिशन पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय की थी। इसके अलावा बैंकों को अपने संबंधित पक्षों के साथ विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट करने से भी मना किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 700 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार है,

जो सट्टेबाजी को रोकने और जरूरत पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त है।

सरकार ने की पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

नई दिल्ली,।

सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे।बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

एलपीजी संकट के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता

नई दिल्ली ।

वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया,'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।' खबरों के अनुसार, बाहर खाना खाने के रुझान में 8-10 प्रतिशत की गिरावट आई है और विकल्प सीमित होने के कारण प्रति ग्राहक औसत खर्च में भी 6-8 प्रतिशत की कमी आई है। कई इलाकों में सिलिंडरों की कालाबाजारी से ऊंची कीमतों पर खरीद के मामले भी सामने आए हैं। रेस्तरां उद्योग सेवा क्षेत्र में खुदरा और बीमा के बाद तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है जिसका 2026 में अनुमानित कारोबार 6.46 लाख करोड़ रुपये है

और यह 80 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। एनआरएआई का अनुमान है कि अगर संकट अनसुलझा रहता है, तो इस क्षेत्र में मौजूदा व्यवधान के कारण 5-7 लाख नौकरियां जा सकती हैं।

क्रिसिल और केयरएज रेटिंग एजेंसियों की दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी

-पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चलेगा

नई दिल्ली,।

क्रिसिल और केयरएज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी की सूचना दी है। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से भारत के उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चल सकेगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात गिर गया। बहरहाल, आईसीआरए ने कहा कि ऋण अनुपात वित्त वर्ष 2025 के 2.0 गुना की अपेक्षा वित्त वर्ष 2026 में सुधरकर 3.1 गुना हो गया। इससे 388 अपग्रेड के मुकाबले 124 डाउनग्रेड हुआ।रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चूक दर 0.4 फीसदी पर कम बनी हुई है और यह अनुकूल ऋण स्थितियों का संकेत देती है। ऋण अनुपात रेटिंग अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात है। यह वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात सुस्त होकर 1.50 गुना हो गया जबकि यह पहली छमाही में 2.17 गुना था। इस अवधि में कुल मिलाकर रेटिंग 383 अपग्रेड और 255 डाउनग्रेड हुईं। क्रिसिल ने

बताया कि डाउनग्रेड दर 7.0 फीसदी तक बढ़ गई और यह 10 साल के औसत से थोड़ी ज्यादा है। नतीजतन ऋण अनुपात में नरमी आई। इसमें शुल्क-संबंधित अनिश्चितताओं के कारण निर्यात पर अधिक निर्भरता वाली कंपनियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। केयर एज रेटिंग्स ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात 1.93 गुना रहा, जो पहली छमाही में देखे गए 2.56 गुना से कम है। केयर एज रेटिंग्स ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7 फीसदी है

और यह 10 फीसदी के दीर्घकालिक औसत से नीचे बनी हुई है।

तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई के खतरा को देख चीनी बैंक हुआ सतर्क

-मार्च महीने में बैंक ने 1140 अरब युआन निकाले, यह ड्रैगन की रणनीति

नई दिल्ली,।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ऐसा कदम उठाया है जिसने दुनिया भर के बाजारों का ध्यान खींचा है। करीब एक साल तक लगातार बाजार में पैसा डालने के बाद पहली बार बैंक ने उल्टा रास्ता अपनाते हुए सिस्टम से पैसा वापस खींच लिया है। मार्च महीने में बैंक ने कुल मिलाकर करीब 1140 अरब युआन की तरलता (कैश) बाहर निकाल ली। यह कदम अचानक उठाया गया, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी रणनीति है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय तक चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से जूझ रही थी, इसलिए सरकार और केंद्रीय बैंक मिलकर बाजार में पैसा डाल रहे थे ताकि कारोबार को सहारा मिले, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। साल की शुरुआत में ही अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी है। इसी बीच ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। यही वजह है कि अब बैंक सतर्क हो गया है और बिना जरूरत ज्यादा पैसा डालने से बच रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम बताता है कि चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल बाजार को ÷पैसों से भरने÷ के मूड में नहीं है। बैंक यह संकेत देना चाहता है कि सिस्टम में पहले से ही पर्याप्त पैसा मौजूद है और अभी अतिरिक्त मदद की जरूरत नहीं यानी बैंक अपनी ताकत बचाकर रखना चाहता है ताकि भविष्य में अगर हालात बिगड़ते हैं तो वह तुरंत कदम उठा सके। दिलचस्प बात यह है कि इतनी बड़ी रकम निकालने के बावजूद ब्याज दरों में कोई हलचल नहीं दिखी। बाजार में ओवरनाइट कर्ज की दर करीब 1.3फीसदी के आसपास ही बनी हुई है। इसका मतलब साफ है कि भले ही पैसा निकाला गया हो, लेकिन आर्थिक माहौल अभी भी स्थिर और संतुलित बना हुआ है।हालांकि अभी बैंक सतर्क नजर आ रहा है, लेकिन कई विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले समय में हालात बदल सकते हैं। अगर महंगाई का असर ज्यादा नहीं बढ़ा या आर्थिक दबाव फिर से बढ़ा तो बैंक ब्याज दरें घटा सकता है या बैंकों के लिए नकद रिजर्व नियमों में ढील दे सकता है यानी अभी खेल खत्म नहीं हुआ। चीन का केंद्रीय बैंक फिलहाल एक संतुलित और सोच-समझकर कदम उठा रहा है। न तो वह अर्थव्यवस्था को झटका देना चाहता है और न ही बेवजह ज्यादा पैसा डालना चाहता है। यह एक तरह का संकेत है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और सही समय आने पर ही बड़ा कदम उठाया जाएगा। अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि आने वाले महीनों में चीन की अगली चाल क्या होगी।

2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

- जलगांव में केले की कीमत घटी, मात्र 25 फीसदी रह गई

जलगांव।

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं।

लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था,

उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है।

उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है।निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो गई है।

मशहूर चाय कंपनी गुडरिक अब बेचेगी घी और पनीर, यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को मिलेगा

-कंपनी प्रबंधक बोले- हम आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर

नई दिल्ली,।

गुडरिक ग्रुप अब चाय के प्याले से आगे की योजना बना रही है। गुडरिक ब्रांड के तहत घी और पनीर जैसे उत्पाद जल्द ही बाजार में आने वाले हैं। गुडरिक के बैनर तले 'ए2' घी पहला ऐसा गैर-चाय वाला ब्रांडेड उत्पाद होगा, जो अगले महीने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मिलने लगेगा। गुडरिक ग्रुप के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी शैबल दत्त ने बताया कि हम भीड़भाड़ वाली आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर है। यह उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और हमारी अपनी वेबसाइट के जरिये गुडरिक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस पहल के तहत दुआर्स में कंपनी के लखीपाड़ा चाय बागान में करीब 150 गायें हैं। दत्त ने कहा कि हमारे बागान में करीब 70 हेक्टेयर खाली जमीन थी, जिसका इस्तेमाल अब डेरी परियोजना के लिए किया जा रहा है। साल 2026 के अंत तक गायों की संख्या बढ़कर करीब 180 हो जाएगी और अगले पांच सालों में यह संख्या 500 तक बढ़ाने का लक्ष्य है। घी के बाद डेरी पोर्टफोलियो से पेश होने वाला अगला उत्पाद पनीर होगा। उन्होंने बताया कि हम अभी भी दूध और उसे पेश किए जाने वाले स्वरूप पर विचार कर रहे हैं, कि वह पाउच में होगा या बोतलों में ताजा दूध के रूप में होगा, लेकिन इसके लिए कोल्ड चेन में निवेश की जरुरत होगी। इसलिए हम अब भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

शहद और काली मिर्च कभी गुडरिक के दार्जिलिंग टी लाउंज, मार्गरेट्स डेक में सीमित तरीके से बेचे जाने वाले गैर-चाय उत्पादों में शामिल थे। अलबत्ता ये बिना ब्रांड वाले थे। गुडरिक की गैर-चाय वाली अपनी जमीन का लाभ उठाने की योजना पिछले साल

कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को बताई थी। कंपनी प्रबंधन ने कहा था कि वह अपनी भूमि परिसंपत्तियों का उपयोग करके विविध कृषि और आतिथ्य उद्यम तलाश रहा है। इनमें से हल्दी, लहसुन, अदरक, मशरूम के साथ-साथ डेरी और सूअर पालन जैसी शुरुआती परियोजनाएं विकास चरण में हैं।

इस कदम का उद्देश्य असम, दार्जिलिंग और दुआर्स में फैले चाय बागानों पर कंपनी की निर्भरता कम करना भी है। यह उद्योग बढ़ती लागत और कीमतों में स्थिरता से जूझ रहा है।

पिछले साल गुडरिक ने दो बागान बेचे, कुछ और पर भी विचार हो रहा है। ब्रांडेड चाय की गुडरिक के राजस्व में करीब 23 फीसदी हिस्सेदारी है और निर्यात का हिस्सा 5 फीसदी है। ये दोनों कारोबार में ज्यादा मुनाफे वाले हिस्से हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं। ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे।

आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।'

वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।' पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बतायो

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई ।उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा

है और उसे इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लुसाने (एजेंसी)। खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' के लिए पॉजिटिव आया था।

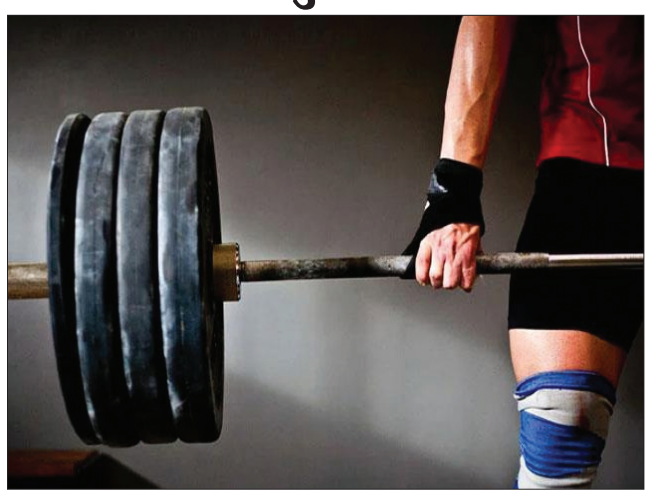

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस्र ष्ठष्ठ ने कहा, 'ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है। इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और और इरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'

हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

गनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध छह मार्च 2026 से पांच मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। कैस एडीडी ने यह भी फैसला दिया है कि पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अतिरिक्त कार्रवाई की जाएगी क्योंकि तीन से अधिक खिलाड़ी और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अभी उसके अधिकारियों, कोच और खिलाड़ियों द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों के कारण एक साल का निलंबन चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग ।दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया। इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं।डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमला

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता। नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे। इसके कारण उन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया था। इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था। इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुर्माना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं। उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं।अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, इन चीजों को छोड़ो, क्रिकेट पर ध्यान दो। जब आप किसी सिस्टम का हिस्सा होते हैं तो तटस्थ रहना पड़ता है।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको ।इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।

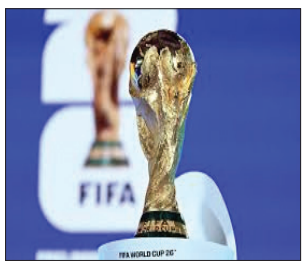

यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा, आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उज्बेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में एशिया भर के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और हर मुकाबला पदक की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम है। भारतीय खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और आगे भी उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

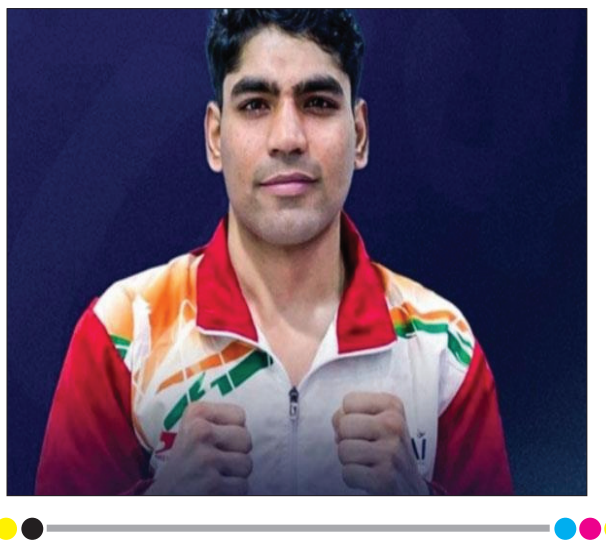

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं। आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को

दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डियो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

मेटा, स्नैपचैट, यूट्यूब व टिकटॉक नहीं मान रहे नियम', सोशल मीडिया कानून पर बोला ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की ऑनलाइन सुरक्षा एजेंसी ने कहा, वह फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और यूट्यूब के विरुद्ध कोर्ट जाने पर विचार कर रही है। इसका कारण है कि ये सोशल मीडिया मंच 16 साल से छोटे बच्चों को अपने प्लेटफॉर्म पर खाता रखने से रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। देश में 10 दिसंबर, 2025 से प्रभावी कानून में 16 वर्ष से छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर खाता रखना प्रतिबंधित किया गया है। ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इमैन ग्रांट ने इस कानून के लागू होने के बाद पहली बार अनुपालन रिपोर्ट जारी की। इसमें दस सोशल मीडिया मंचों से सभी ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के खाते हटाने की मांग की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अब तक 50 लाख ऑस्ट्रेलियाई खाते निष्क्रिय हुए हैं, लेकिन बहुत से बच्चों के खाते अब भी जारी हैं। वे नए खाते भी बना रहे हैं। बच्चे प्लेटफॉर्म की उम्र सत्यापन प्रणालियों को लगातार पार कर रहे हैं। ग्रांट ने कहा, उन्हें इन दस सोशल मीडिया मंच में से आधे के अनुपालन पर गंभीर चिंता है। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि आलोचना किए गए पांच सोशल मीडिया मंच जानबूझकर ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया मंच न्यूनतम प्रयास कर रहे हैं ताकि ये कानून विफल हों। यह दुनिया में पहले लागू कानून हैं, और वे नहीं चाहते कि ये काम करें क्योंकि अन्य देशों में भी इसका अनुकरण हो सकता है। यदि ये कानून अन्य देशों में भी लागू हुए तो सोशल मीडिया मंचों को बड़ा नुकसान होगा।

यह युद्ध ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है', पश्चिम एशिया संकट पर बोले पोप लियो ; शांति की अपील की

वेटिकन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संघर्ष और तनाव चरम पर है। इसी बीच पोप लियो 14वें ने मंगलवार को रोम के बाहर कैस्टेल गैंडोल्फो से लौटते हुए पत्रकारों से बातचीत में उम्मीद जताई कि यह संघर्ष ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है। पोप ने कहा कि हिंसा और बमबारी को कम करने का कोई रास्ता खोजा जाना चाहिए, ताकि नफरत और मौतों को रोका जा सके और दिलों में शांति लौट सके। पोप ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि वे युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। पोप ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि वे हिंसा और बमबारी को कम करने का रास्ता ढूंढ रहे होंगे, जो पश्चिम एशिया और अन्य जगहों पर बढ़ते नफरत को कम करने में मदद करेगा। पोप ने सभी विश्व नेताओं से संवाद की ओर लौटने और हिंसा कम करने के उपाय खोजने की अपील की, ताकि ईस्टर पर हमारे दिलों में शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि ईस्टर का समय शांति और ध्यान का समय होना चाहिए, लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में लोग अब भी हिंसा और युद्ध फैलाने में लगे हैं, जिसमें निर्दोष बच्चों की मौतें भी शामिल हैं। पोप लियो ने पाम संडे के अवसर पर विशेष रूप से पश्चिम एशिया के ईसाइयों के लिए प्रार्थना की और कहा कि जो लोग युद्ध करते हैं या धर्म का उपयोग हिंसा का औचित्य बनाने के लिए करते हैं, उनकी प्रार्थनाओं को ईश्वर नहीं सुनते। उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि युद्ध के पक्षकार अक्सर धर्म का सहारा लेकर अपने कार्यों को सही ठहराते हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक ईसाई राष्ट्र का सैन्य प्रयास बताया, जबकि रूस के ऑर्थोडॉक्स चर्च ने यूक्रेन पर आक्रमण को पवित्र युद्ध कहा। गौरतलब है कि पवित्र सप्ताह के दौरान पोप लियो विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। गुरुवार को वे सेंट जॉन लेटेरन बेसिलिका में पैर धोने की परंपरा निभाएंगे।

व्हाइट हाउस का बड़ा बयान, कहा- सही लोगों से हो रही है बात ; ईरान के साथ समझौते की ओर अमेरिका?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच व्हाइट हाउस ने कहा कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ गंभीर चर्चा कर रहा है। अमेरिकी प्रशासन को पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के बीच जल्द ही कोई समझौता हो सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब चीन और पाकिस्तान ने खाड़ी और मध्य पूर्व में तुरंत युद्ध रोकने की मांग की है। हालांकि अमेरिका के इन दावों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था अमेरिका ईरान के नए नेताओं के साथ बातचीत में लगा है और इसमें काफी प्रगति हुई है। अधिकारी ने यह बात पाकिस्तान और चीन के साझा बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में कही। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति को जल्द ही समझौता होने का पूरा भरोसा है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके नतीजे बहुत गंभीर होंगे।

ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई; यमन से इस्राइल पर फिर हुआ मिसाइल हमला

ईरान में जंग, संकट गहराया

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। यह युद्ध अब सीमाओं को तोड़कर वैश्विक खतरा बन गया है, जहां हर पल विनाश और अनिश्चितता का साया गहराता जा रहा है। इस्राइली मीडिया ने बताया कि यमन से इस्राइल पर एक मिसाइल दागी गई, जिसे इस्राइली सेना ने इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। इस हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। इस हमले के चलते दक्षिणी इस्राइल में सायरनों की आवाज सुनी गई।

यूएई की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के प्रवेश और ट्रांजिट पर लगाई रोक : युद्ध के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के देश में प्रवेश और ट्रांजिट पर रोक लगा दी है। लंबी दूरी की उड़ान सेवाएं देने वाली एयरलाइंस एमिरेट्स और एतिहाद के साथ-साथ लो-कॉस्ट एयरलाइन फ्लाईदुबई ने अपनी-अपनी वेबसाइट पर इस फैसले की जानकारी साझा की है। संयुक्त अरब अमीरात, जो सात अमीरातों का एक संघ है, वहां प्रवेश नियम अक्सर स्पष्ट नहीं होते। हालांकि, इन एयरलाइंस की वेबसाइटों पर यह निर्देश साफ तौर पर प्रदर्शित किया गया है। इसके अनुसार, 'गोल्डन वीजा' (10 वर्षीय निवास परमिट) रखने वाले ईरानी नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति बनी रहेगी। इस फैसले पर यूएई अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दुबई में पहले ही ईरानी अस्पताल और ईरानी क्लब को बंद कर दिया गया है। ये दोनों संस्थान शहर में शाह के दौर से जुड़े पुराने प्रतिष्ठान माने जाते हैं।

ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई : पश्चिम एशिया में संकट जारी है और अब इस संकट के बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी इस युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सैन्य कार्रवाई को वैधता मिल सके। बता दें कि ईरान युद्ध के दौरान ईरान द्वारा यूएई पर कई हमले किए गए हैं, जिससे यूएई में कई लोग मारे गए हैं। अगर यूएनएससी की मंजूरी मिल जाती है तो यूएई भी पश्चिम एशिया की लड़ाई में शामिल हो सकता है। हालांकि मंजूरी मिलने की उम्मीद कम ही है क्योंकि रूस और चीन जैसे देश इसका विरोध कर सकते हैं। यूएई ने अमेरिका को सुझाव दिया है कि अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य के कुछ द्वीपों जैसे अबू मूसा पर कब्जा कर लेना चाहिए। ये द्वीप कई दशकों से ईरान के कब्जे में है और यूएई भी इस पर दावा करता है।

ईरान में एक और स्टील प्लांट पर हमला : ईरान के इस्फहान के पास एक और स्टील प्लांट पर हमला हुआ है। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बोर्जुन इलाके में स्थित सेफीदाश्त स्टील प्लांट को निशाना बनाया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बचाव दल मौके पर पहुंच गया है और स्थिति की जांच कर रहा है।

बेरूत के पास इस्राइली हमले में 2 लोगों की मौत : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राजधानी बेरूत के पास खालदे इलाके में इस्राइल ने एक कार पर हवाई हमला किया। इस हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में शासन बदलना उनका लक्ष्य नहीं है और 2-3 हफ्तों में ऑपरेशन खत्म हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका से संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है, लेकिन कोई औपचारिक बातचीत नहीं चल रही। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि हम बमों के जरिए बातचीत कर रहे हैं' और ईरान को शांति समझौते के लिए चेतावनी दी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के सहयोगी अब बड़ा खतरा नहीं हैं, लेकिन ईरान अभी भी मिसाइल और ड्रोन से हमला कर सकता है। इराक के बगदाद में एक विदेशी पत्रकार का अपहरण हुआ है, जिसकी जांच जारी है। संयुक्त राष्ट्र के विकास कार्यक्रम ने चेतावनी दी कि इस युद्ध से क्षेत्र को 194 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने US के साथ बातचीत से इनकार किया, कहा- भरोसे का स्तर शून्य पर है

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे का स्तर शून्य है। अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में अराघची ने साफ किया कि तेहरान को अमेरिकी कामों में कोई ईमानदारी नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत का अनुभव कभी अच्छा नहीं रहा है। अराघची ने बताया कि पुराने समझौतों की नाकामी और हालिया दुश्मनी की वजह से कूटनीतिक रास्ते बंद हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वर्षों पहले एक समझौता हुआ था, लेकिन अमेरिका बिना किसी ठोस वजह के उससे पीछे हट गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले साल और इस साल भी अमेरिका के साथ बातचीत हुई, लेकिन उसका नतीजा केवल अमेरिकी हमले के रूप में सामने आया। मौजूदा तनाव के बीच विदेश मंत्री ने सैन्य तैयारियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना किसी भी संभावित अमेरिकी जमीनी हमले का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि जमीनी हमला करना उसकी एक बड़ी गलती होगी। अराघची ने कहा, 'हम उनका इंतजार कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि वे ऐसी हिम्मत करेंगे। वहां उनका सामना करने के लिए बहुत बड़ी ताकत तैयार बैठी है। ईरानी विदेश ने किया दावा ईरानी विदेश मंत्री ने दावा किया कि अमेरिकी सेना को पहले ही काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के रडार, विमान और ईंधन ले जाने वाले टैंकरों को नुकसान पहुंचा है। अराघची के अनुसार, ईरान अपनी रक्षा करना अच्छी तरह जानता है। जमीनी जंग में वह और भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान ने युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन उसने पूरी ताकत से अपना बचाव किया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलमार्ग के बारे में उन्होंने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि यह रास्ता फिलहाल केवल उन लोगों के लिए बंद है जो ईरान के साथ युद्ध कर रहे हैं। अराघची ने तर्क दिया कि यह जलमार्ग ईरान और ओमान की समुद्री सीमा में आता है। इसलिए इसका प्रबंधन करना इन दोनों देशों के लिए सामान्य बात है। उन्होंने कहा युद्ध के समय यह सामान्य है कि दुश्मन को व्यापार के लिए अपने समुद्री रास्तों का इस्तेमाल न करने दिया जाए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित रास्ता मिल रहा है। कुछ अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने सुरक्षा और ऊंचे बीमा की वजह से इस रास्ते से दूरी बनाई है, लेकिन तेहरान अपने दोस्तों का ख्याल रख रहा है।

क्या बड़ी तैयारी कर रहे नेतन्याहू?: ईरान के खिलाफ क्षेत्रीय देशों के साथ गठबंधन की योजना, समझिए कितनी असरदार

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि ईरान से युद्ध में अब इस्राइल कौन सी नई योजना बना रहा है और यह कितना असरदार होगा?

अपने संबोधन में इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल धीरे-धीरे नए क्षेत्रीय गठबंधनों का निर्माण कर रहा है, ताकि ईरान के खतरे से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि इस्राइल क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और इसे उन्होंने ईरानी खतरे का सामना करने के लिए जरूरी बताया। एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच इस्राइल का यह कदम इस क्षेत्र में बदलते राजनीतिक परिदृश्य और संघर्ष के बीच व्यापक सहयोग की ओर इशारा करता है।

कौन-कौन से देश इसमें शामिल होंगे : हालांकि अपने बयान में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभी तक यह नहीं बताया कि ये कौन से देश हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही मैं इन महत्वपूर्ण समझौतों के बारे में और जानकारी साझा कर सकूंगा। ऐसे समय में इस्राइली प्रधानमंत्री का यह बयान यह संकेत देता है कि इस्राइल और अरब देशों के कुछ हिस्सों के बीच सहयोग बढ़ रहा है।

क्या है इस साझेदारी का उद्देश्य : इस्राइली पीएम का कहना है कि इस साझेदारी का उद्देश्य ईरान की सैन्य और परमाणु योजनाओं के खिलाफ एकजुट होना है। नेतन्याहू ने आगे कहा कि इस्राइल ने हाल ही में बड़ी युद्धभूमि सफलता हासिल की है और दो बड़े खतरों, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को पीछे धकेल दिया है। उनका यह कदम व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिससे क्षेत्र में अपनी सुरक्षा और प्रभुत्व को मजबूत किया जा सके।

अमेरिकी नाकेबंदी के बीच रूसी तेल टैंकर क्यूबा पहुंचा, ऊर्जा संकट में मिली बड़ी राहत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। बचाव दल ने तत्काल एक अभियान शुरू किया और नौ शवों को बरामद किया, जबकि तीन घायलों को मलबे से जीवित बाहर निकाला गया। घायलों को घटनास्थल पर प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर राहत और खोज अभियान पूरा कर लिया गया है। पेशावर में मंगलवार को आयोजित एक संयुक्त पाकिस्तान-अफगानिस्तान 'जिरगा' ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया है। 'जिरगा' अफगानिस्तान और पाकिस्तान में बुजुर्गों और सामुदायिक नेताओं की एक सभा होती है, जो सर्वसम्मति के आधार पर विवादों का समाधान करती है। यह घोषणा जिरगा के समापन पर जारी की गई, जिसमें पूर्व राज्यपालों, राजनीतिक नेताओं, पूर्व-कूटनीतिज्ञों, आदिवासी बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों और धार्मिक विद्वानों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों को हर हाल में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी भूमि का उपयोग एक-दूसरे के खिलाफ न हो। आधिकारिक बयान में कहा गया, 'किसी भी व्यक्ति या समूह को शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए किसी भी देश की जमीन का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। जिरगा ने दोनों देशों की सरकारों से शांति बनाए रखने के लिए आपसी सहमति से लिए गए निर्णयों को लागू करने के लिए अपनी राज्य क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने का आग्रह किया। इसने इस बात पर भी जोर दिया कि सभी विवादों और मतभेदों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से हल किया जाना चाहिए, और इन्हें एकमात्र व्यवहार्य विकल्प घोषित किया।

टैरिफ वापसी में जुटा अमेरिका भुगतान में लग सकते हैं 45 दिन : अमेरिकी सरकार ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित किए गए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क एजेंसी ने मंगलवार को कहा, अवैध घोषित लगभग 166 अरब डॉलर के शुल्क संग्रह की वापसी के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया स्थापित की जा रही है, पर नई प्रणाली को वापसी आवेदनों की समीक्षा और प्रसंस्करण में 45 दिन तक लग सकते हैं। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार कोर्ट में दायर एक याचिका में सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा अधिकारी ब्रैंडन लॉर्ड ने कहा कि एक नए वापसी दावा पोर्टल, समीक्षा, प्रसंस्करण और वापसी प्रणाली का विकास 60 से 85 फीसदी हो चुका है। उन्होंने इस पोर्टल पर आवेदनों के लिए कोई प्रारंभ तिथि नहीं बताई, पर एजेंसी ने पहले 45 दिनों का लक्ष्य रखा था, जो अप्रैल के अंत में खत्म होगा। मंगलवार को दायर किए गए घोषणापत्र में, लॉर्ड ने कहा कि नई प्रणाली चरणबद्ध तरीके से दावों को स्वीकार करना शुरू कर देगी। इसमें पहली प्राथमिकता उन सीमा शुल्क प्रविष्टियों को दी जाएगी जिनका निपटान हो चुका है, जो पिछले 80 दिनों में पूरी हो चुकी हैं, जिनकी निपटान स्थिति निलंबित, विस्तारित या समीक्षाधीन है। प्रारंभिक चरण में गोदाम व गोदाम से निकासी की प्रविष्टियों वाले घोषणापत्र भी स्वीकार किए जाएंगे।

क्या यूएस का यू-टर्न?: 'अमेरिकी सैनिक दो-तीन हफ्ते में ईरान छोड़ेंगे'; एक माह से जारी जंग के बीच ट्रंप का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरान में चल रहा अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन बहुत जल्द खत्म कर दिया जाएगा। अपने बयान में ट्रंप ने आगे कहा कि अगले दो से तीन हफ्तों के अंदर अमेरिकी सेना वहां से निकल सकती है। ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से तेल और गैस लेने वाली अन्य देशों जैसे फ्रांस या चीन को अब खुद संभालना होगा। अमेरिका वहां किसी और चीज में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कट्टर और खतरनाक' लोगों को नष्ट कर दिया और क्षेत्र अब अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

तेल की बढ़ती कीमतों पर क्या बोले ट्रंप : व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ईरान के साथ बातचीत भी कर रही है, लेकिन साथ ही सैन्य कार्रवाई भी जारी है। ईंधन की बढ़ती कीमतों पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि जैसे ही अमेरिका ईरान से बाहर निकलेगा, हालात सुधर जाएंगे और तेल की कीमतें भी गिर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपना काम लगभग पूरा कर चुका है और अगले करीब दो हफ्तों में ऑपरेशन खत्म कर सेना वापस बुला ली जाएगी। अमेरिकी सेना के बाद ट्रंप ने अमेरिकी कंपनियों को ईरान से होने वाले खतरे को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में काम कर रही अमेरिकी कंपनियों को ईरान से कोई बड़ा खतरा नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या ईरान ने सच में हमला करने या कंपनियों को उड़ाने की धमकी दी है? ट्रंप ने कहा कि ईरान ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा और वह अमेरिकी कंपनियों पर हमला नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान परमाणु हथियार का इस्तेमाल नहीं कर सकता, क्योंकि उसके पास ऐसे हथियार नहीं हैं। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के ज्यादातर पुराने नेता अब नहीं रहे, जिससे खतरा पहले की तुलना में कम हो गया है। उनके अनुसार हालात अब पहले से ज्यादा नियंत्रण में हैं और चिंता की जरूरत कम है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ समझौता करना जरूरी नहीं है। उनका कहना है कि अब ईरान में नया शासन है, जो पहले से ज्यादा बातचीत के लिए तैयार और आसान है।

मंगल पर था भरपूर पानी, धूल भरी आंधियों ने अंतरिक्ष में उड़ा दिया

टोक्यो/सेन्दाई, एजेंसी। कभी जलसमृद्ध रहा मंगल आज सूखा मरुस्थल क्यों बन गया, इस लंबे समय से अनसुलझे सवाल पर नई रोशनी डालते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि छोटे, स्थानीय धूलभरे-तूफान भी ग्रह के पानी को अंतरिक्ष में उड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। तोहोकू यूनिवर्सिटी समेत अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम के इस अध्ययन में सामने आया है कि ये तूफान जलवाष्प को ऊपरी वायुमंडल तक पहुंचाकर उसे तोड़ देते हैं, जिससे हाइड्रोजन अंतरिक्ष में निकल जाता है और पानी स्थायी रूप से खत्म होता जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार आज का मंगल एक ठंडा और सूखा ग्रह है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद प्राचीन जलधाराएं, पानी से बदले खनिज और अन्य भूगर्भीय संकेत बताते हैं कि कभी यहां प्रचुर मात्रा में पानी मौजूद था। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर यह पानी कहां और कैसे गायब हो गया। हालांकि कुछ प्रक्रियाएं पहचानी जा चुकी हैं, लेकिन मंगल के गायब पानी का बड़ा हिस्सा अब भी एक पहेली बना हुआ है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट जर्नल में प्रकाशित इस नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। शोध में पाया गया कि अपेक्षाकृत छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी मंगल के उत्तरी गोलार्ध की गर्मियों के दौरान जलवाष्प को वायुमंडल में काफी ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं।

मार्टियन वर्ष 37 में असामान्य उछाल : वैज्ञानिकों ने मार्टियन वर्ष 37 (पृथ्वी के 2022-2023) के दौरान एक असामान्य स्थानीय धूल-तूफान का अध्ययन किया। इस दौरान मंगल के मध्य वायुमंडल में जलवाष्प की मात्रा सामान्य स्तर से लगभग दस गुना तक बढ़ गई। इतनी अधिक वृद्धि पहले कभी दर्ज नहीं की गई थी और मौजूदा जलवायु मॉडल भी इसकी भविष्यवाणी नहीं कर पाए थे। हाइड्रोजन का बढ़ना पानी के नुकसान का सीधा संकेत है। जलवाष्प के ऊंचाई तक पहुंचने के बाद वैज्ञानिकों ने एक्सोबेस, जहां से मंगल का वायुमंडल अंतरिक्ष में बदलने लगता है, पर हाइड्रोजन की मात्रा में तेज वृद्धि दर्ज की। यह स्तर सामान्य से 2.5 गुना अधिक था। यह अध्ययन कई अंतरराष्ट्रीय मंगल मिशनों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है। इनमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक्सोमार्स मिशन का ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) और उसका नोमैड उपकरण, नासा का मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) और एमिरेट्स मार्स मिशन (ईएमएम) शामिल हैं। ये सभी यान फिलहाल मंगल की कक्षा में सक्रिय हैं और लगातार डेटा भेज रहे हैं। यह अध्ययन संकेत देता है कि मंगल से पानी का नुकसान केवल बड़े वैश्विक तूफानों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी इस प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक समय का जलसमृद्ध ग्रह धीरे-धीरे सूखे और निर्जीव मरुस्थल में बदल गया।

होर्मुज एक महीने से बंद, 1970 के दशक से भी बड़े ऊर्जा संकट के मुहाने पर पहुंची दुनिया

ईरान, एजेंसी। ईरान में जारी युद्ध के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति धुरी होर्मुज स्ट्रेट के एक माह से रुकने से दुनिया संभावित बड़े ऊर्जा संकट पर आ गई है। शिपिंग विशेषज्ञ लार्स जेन्सेन व अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने चेताया कि मौजूदा हालात 1970 के दशक के तेल संकट से भी बड़े आर्थिक जोखिम में बदल सकते हैं। हालांकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था कुछ लचीली है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार 1970 के दशक का तेल संकट आज की स्थिति से मूल रूप से अलग था, क्योंकि वह सोची-समझी राजनीतिक रणनीति का नतीजा था। क्रिस्टोल एनर्जी की सीईओ डॉ. कैरल नाखले ने कहा, अक्तूबर 1973 में अरब तेल उत्पादक देशों ने योम किप्पुर युद्ध के दौरान इस्राइल समर्थक अमेरिका और सहयोगी देशों के विरुद्ध तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ऊर्जा सुरक्षा पर ऐतिहासिक दबाव : आईईए के प्रमुख फातिह बिरोल ने इस स्थिति को इतिहास का सबसे बड़ा वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा खतरा बताया है। उनके अनुसार यह संकट न केवल 1970 के दशक के तेल झटकों से बड़ा है, बल्कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आए गैस संकट से भी अधिक गंभीर है। कुल मिलाकर दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां एक ओर 1970 के दशक जैसी अराजकता की आशंका है तो दूसरी ओर आधुनिक आर्थिक संरचना और ऊर्जा प्रबंधन तंत्र इसे झेलने की क्षमता भी रखते हैं। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि यह संकट इतिहास का सबसे बड़ा ऊर्जा झटका साबित होता है या नहीं।

तेल-गैस आपूर्ति पर सीधा असर : पिछले एक महीने से होर्मुज

जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, प्रभावी रूप से बंद है। इस मार्ग से सामान्यतः दुनिया के लगभग 20% तेल का निर्यात होता है, जिससे तेल, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हो गई है। शिपिंग विशेषज्ञ और वेस्पुच्ची मैरीटाइम के प्रमुख लार्स जेन्सेन के अनुसार, एक माह पूर्व खाड़ी से निकला तेल अभी दुनिया की रिफाइनरियों तक पहुंच ही रहा है, लेकिन यह आपूर्ति जल्द ही रुकने वाली है। यदि स्ट्रेट तुरंत खुल भी जाए तब भी अगले 6 से 12 महीनों तक ऊर्जा की कीमतों में भारी उछाल बना रहेगा और आपूर्ति संकट गहराएगा। डॉ. कैरल नाखले का मानना है कि मौजूदा स्थिति गंभीर जरूर है, लेकिन 1970 के दशक जितनी भयावह नहीं है। उनके अनुसार आज का वैश्विक तेल बाजार अधिक विविधतापूर्ण है, तेल पर निर्भरता कम हुई है और आपातकालीन भंडार तथा प्रतिक्रिया तंत्र पहले से कहीं बेहतर हैं, जिससे झटकों को सहने की क्षमता बढ़ी है। डॉ. टियार्नान हीनी भी मानते हैं कि आज देशों के पास बेहतर आर्थिक समझ और रणनीतिक तेल भंडार मौजूद हैं, जो संकट के प्रभाव को कुछ हद तक कम कर सकते हैं। हेरेरो के अनुसार यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल, व्यापक महंगाई और गहरी आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ सकता है, खासकर एशिया के उन देशों के लिए जो आयात पर निर्भर हैं। हालांकि, वे यह भी मानती हैं कि आज के बेहतर भंडार और ऊर्जा दक्षता कुछ राहत जरूर देते हैं, लेकिन आपूर्ति में इतनी बड़ी कमी के कारण संकट अधिक जटिल और दीर्घकालिक हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर ब्लास्ट

ग्रेनेड फेंकने का वीडिया आया सामने, जांच में जुटी एजेंसियां

चंडीगढ़ ।

चंडीगढ़ में भाजपा के पंजाब मुख्यालय के बाहर बुधवार शाम 5 बजे ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट के बाद वहां पार्किंग में खड़ी कई गाडियों के शीशे टूट गए। भाजपा ऑफिस की दीवार पर 70 से 80 छर्रे जैसे निशान बन गए हैं। अब इसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ग्रेनेड की पिन खोलकर उसे फेंककर भाग रहा है। इस दौरान धमाके की भी आवाज सुनाई देती है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो भाजपा ऑफिस पर हमले का है। धमाके के बाद चंडीगढ़ में सुरक्षा बढ़ाई गई है। सभी नाकों पर सख्ती बरती जा रही है। पुलिस हर आने-जाने वाले की चेकिंग कर रही है।

ब्लास्ट की सूचना मिलते ही चंडीगढ़ पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंची। भारतीय सेना और एनआईए की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई हैं। उधर, बम व डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीमों के जरिए पूरे इलाके को खंगाला जा गया। टीम ने विस्फोटक के टुकड़ों की भी जांच की। पुलिस को सीसीटीवी में 2 संदिग्ध नजर आए हैं। ये दोनों बाइक पर भाजपा ऑफिस के आसपास आते-जाते नजर भी आ रहे हैं। इनकी तलाश की जा रही है। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स भी मौके पर पहुंची। चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। अभी ब्लास्ट किसने और क्यों किया, इसमें कौन सा विस्फोटक यूज हुआ, इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। हालांकि पुलिस को यहां खड़ी स्कूटी में भी धमाका होने का शक है, जिसके लिए क्रूड बम जैसी चीज यूज की हो सकती है। फोरेंसिक टीम से भी इसकी जांच कराई जा रही है।

15 दिन पहले खतरे की आशंका जताई थी

भाजपा के प्रवक्ता आरपी सिंह का कहना है कि चंडीगढ़ में भाजपा पंजाब कार्यालय के बाहर बम ब्लास्ट की घटना चौंकाने वाली और बेहद चिंताजनक है। इसे और भी गंभीर बनाने वाली बात यह है कि पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा पिछले दो दिनों से उसी कार्यालय

में मौजूद थे और अभी-अभी दिल्ली में एक राजनीतिक कार्यक्रम के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि 15 दिन पहले पठानकोट के एसएसपी ने उन्हें एक विशिष्ट खतरे की आशंका के चलते अपनी मॉर्निंग वॉक रोकने की चेतावनी दी थी। यह चेतावनी और आज का ब्लास्ट दोनों में कोई संबंध है या नहीं, यह जांच का विषय है, लेकिन इस संयोग को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रवक्ता ने कहा कि यह केवल एक नेता या एक पार्टी कार्यालय की बात नहीं है। यह पंजाब में सुरक्षा, खुफिया समन्वय और समग्र कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाता है।

जिम्मेदार लोगों की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। ऐसे आतंकवादी कृत्यों के लिए शून्य सहनशीलता होनी चाहिए।

मघड़ा शीतला मंदिर हादसे में 20 लोगों पर मामला दर्ज, चार पुजारी गिरफ्तार

कई लोगों ने हादसे के लिए कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया

पटना ।

बिहार में नालंदा के मघड़ा शीतला मंदिर हादसे में 20 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने चार पुजारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आए इन पुजारियों पर रुपए लेकर पूजा करवाने और महिलाओं पर डंडे चलाने का आरोप है। दीपनगर थाने की दारोगा के बयान के बाद एफआईआर दर्ज दर्ज की है। मामले में 20 नामजद और कई अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया। नामजद लोगों में 18 पंडा समाज के लोग और उनके दो सहयोगी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के नालंदा जिले में स्थित शीतला माता मंदिर में मंगलवार को धार्मिक सभा के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस दौरान आठ महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। यह घटना तब हुई जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए जमा हुए थे, जिससे वहां भारी भीड़ हो गई और अचानक मची भगदड़ में कई लोग कुचल गए। बिहार सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। घटनास्थल से सामने आए विजुअल्स में मंदिर परिसर के अंदर भारी तादाद में भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बिहार शरीफ के सहायक पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ में करीब आठ महिलाओं की मौत हो गई। पुलिसकर्मी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। चश्मदीदों ने बताया कि हर मंगलवार को मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है, जिसमें पटना समेत राज्य के कई इलाकों से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। कई लोगों ने इस हादसे के लिए कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। एक चश्मदीद ने कहा कि यह सब कुप्रबंधन की वजह से हुआ है, जबकि दूसरे शख्स ने कहा कि कोई भी कतार में खड़ा नहीं होना चाहता था और हर कोई सबसे पहले दर्शन करना चाहता था। चैत्र महीने का आखिरी मंगलवार होने के कारण भीड़ और भी ज्यादा भीड़ थी।

जम्मू और श्रीनगर में लाइट मेट्रो चलाने की तैयारी, केंद्र को भेजी गई डीपीआर

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर की राजधानी के दोनों शहरों, जम्मू और श्रीनगर में यातायात व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए लाइट मेट्रो ट्रेन परियोजना पर काम तेज हो गया है। जम्मू में बनतालाब से बाड़ी ब्राह्मणा तक और श्रीनगर में इंदिरा नगर से एचएमटी तक मेट्रो रेल के संचालन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर केंद्र सरकार को भेज दी गई है। अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए केंद्र से अंतिम मंजूरी और बजट आवंटन का इंतजार है।

विधानसभा में अखनूर से विधायक मोहन लाल शर्मा द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में मंत्री सकीना इत्तू ने यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल इस परियोजना

के पहले चरण में अखनूर को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन भविष्य में केंद्र सरकार की सहमति और जरूरत के आधार पर इसके विस्तार पर विचार किया जा सकता है।

जम्मू शहर के लिए तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, बनतालाब से बाड़ी ब्राह्मणा तक का मेट्रो रूट लगभग 23 किलोमीटर लंबा होगा, जिस पर कुल 22 स्टेशन बनाने का प्रस्ताव है। इस परियोजना के निर्माण के लिए 29.58 हेक्टेयर स्थायी और 1.5 हेक्टेयर अस्थायी भूमि की आवश्यकता का आकलन किया गया है। अनुमान है कि साल 2035 तक इस रूट पर प्रतिदिन लगभग 2.84 लाख लोग सफर करेंगे, जिससे शहर की सड़कों पर वाहनों का दबाव काफी कम हो जाएगा।

इसी तरह श्रीनगर में भी इंदिरा चौक से एचएमटी चौक तक लाइट मेट्रो चलाने की योजना है, जिसकी डीपीआर पर केंद्र की मुहर लगनी शेष है।

भारत की अनूठी पहलः समुद्र से बिजली और मीठा पानी बनाने लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला ओटेक डिसेलिनेशन प्लांट

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली ।

वैश्विक जल संकट के बीच भारत एक अनोखी तकनीकी पहल के साथ समाधान की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर दुनिया का पहला ओटेक आधारित हाइब्रिड डिसेलिनेशन प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो समुद्र की लहरों और तापमान के अंतर से एक साथ बिजली और मीठा पानी बनाएगा। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है और हर चौथा व्यक्ति शुद्ध पेयजल से वंचित है।

ऐसे में समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक पर कई देश काम कर रहे हैं, लेकिन भारत का यह प्रयोग उन्हें एक कदम आगे ले जाता है। यह परियोजना

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है।

यह प्लांट ओटेक (ओसियन थर्मल एनर्जी कन्वर्सन) तकनीक पर आधारित है, जिसमें समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहराई में मौजूद ठंडे पानी के तापमान के अंतर का उपयोग कर ऊर्जा पैदा की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान ही समुद्री पानी को शुद्ध कर पेयजल में बदला जाएगा।

इसके लिए करीब 3.8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो समुद्र की गहराई (लगभग 1000 मीटर) से ठंडा पानी सतह तक लाएगी। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार बिजली उत्पादन और जल शुद्धिकरण दोनों कार्य एक साथ करेगा।

मंडी में 4000 क्विंटल पहुंचा गेहूं, दिनभर अधिकारियों का इंतजार करते रहे किसान

गेहूं लेकर आने वाले ट्रैक्टर या अन्य वाहन पर नंबर प्लेट होना का अनिवार्य

पलवल।

जिले में बुधवार से पलवल, होडल, हथीन, हसनपुर अनाज मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होनी थी, लेकिन पहले दिन पलवल मंडी में करीब चार हजार क्विंटल गेहूं लेकर किसान पहुंचे, लेकिन हैफेड व वेयर हाउस के अधिकारियों ने नहीं खरीदा। दिनभर किसान अधिकारियों का इंतजार करते रहे। अनाज मंडी के सचिव ने बताया कि खरीद एजेंसियों के पास कुछ कागजों कमी थी, जिसके चलते अधिकारियों ने खरीद नहीं की। गुरुवार से खरीद शुरू होने की उम्मीद थी। इस बार किसानों से 2,585 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। खरीद के 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में भुगतान करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा प्रशासन के दावों के विपरीत जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर बयां कर रही है, जहां मंडियों में जरूरी इंतजाम अभी अधूरे नजर आ रहे हैं। इस बार भी गेहूं खरीद खुले आसमान के नीचे ही होगी, क्योंकि मंडी में बनाए गए टीन शेड में सरसों के कट्टे रखे हुए हैं। इसके अलावा गेहूं उठान के लिए वाहनों की व्यवस्था भी निविदा प्रक्रिया में फंसी है, जिससे खरीद शुरू होते ही व्यवस्था चरमराने का अंदेशा है। जिले में इस बार 22700 हैक्टेयर भूमि में गेहूं की बुआई की गई, जिसमें 42481 किसानों ने पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया था। इस बार खरीद प्रक्रिया में कुछ नए नियम भी लागू किए गए हैं, जिनका पालन किसानों के लिए जरूरी होगा। मंडी में गेहूं लेकर आने वाले ट्रैक्टर या अन्य वाहन पर नंबर प्लेट होना का अनिवार्य किया गया है। किसान की स्वयं मौजूदगी भी जरूरी होगी। यदि किसान खुद नहीं आता है, तो उसे पहले से पोर्टल पर तीन नामिनी दर्ज करने होंगे, जिनमें से अधिकृत व्यक्ति ही फसल बेच सकेगा। कई किसानों को नए नियम का जानकारी नहीं होने से वे पुराने बिना नंबर के ट्रैक्टरों पर अपनी फसल लेकर मंडी पहुंच गए। जहां उन्हें गेट पर ही रोक दिया। मंडी में एक-एक करके ट्रैक्टर लेकर किसान पहुंचते रहे। गेट पर खड़े कर्मचारी किसान व ट्रैक्टर की फोटों खींचकर अपलोड कर रहे थे। इससे पहले जिले में जिला उपायुक्त वशिष्ठ ने अनाज मंडियों में फसल खरीद प्रक्रिया का सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को होडल स्थित अनाज मंडी पहुंचकर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने इसके उपरांत हथीन के विधायक मोहम्मद इसराइल के साथ उपमंडल हथीन स्थित अनाज मंडी में पहुंचकर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर हुआ भव्य आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,

वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में गुरुवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस मौक़े पर सालासर बालाजी का आलौकिक श्रृंगार किया गया। सुबह से ही भक्तों का आना शुरू हो गया।

अनेकों परिवार एवं संस्थाएं मंदिर पर निशान लेकर आए। शाम चार बजे से मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। इस मौक़े पर भक्तों को प्रसाद का वितरण भी किया गया।

सिर के ऊपर मंडराते हैं ड्रोन और मिसाइल.....22 घंटे नौसेना की सुरक्षा में पार कर रहे एलपीजी टैंकर

नई दिल्ली ।

ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर बढ़े खतरे का असर भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर दिख रहा है। देश में एलपीजी की किल्लत बना हुई है। इस बीच एक भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर को सामान्यतः भारत लौटने में एक सप्ताह का समय लगता था, अभी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार करने में तीन गुना अधिक समय लग रहा है। 'पाइन गैस' नामक टैंकर यूएई के रुवाईस पोर्ट से एलपीजी लोड कर रहा था, तभी इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर अचानक हमला कर दिया। इसके बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो गई। इस टैंकर में 27 सदस्यीय चालक दल सवार था, जिन्हें अपनी यात्रा के दौरान रोजाना मिसाइल और ड्रोन ऊपर से गुजरते दिखाई दिए।

पाइन गैस' जहाज के चीफ

ऑफिसर सोहन लाल के अनुसार, टैंकर को 11 मार्च को रवाना होना था, लेकिन हालात बिगड़ने के कारण 23 मार्च तक अनुमति नहीं मिली। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि जहाज को सामान्य मार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं मिली। आईआरजीसी ने ईरान के तट के पास लारक द्वीप के उत्तर में एक संकरे मार्ग से जाने को कहा। यह मार्ग जोखिम भरा था, लेकिन चालक दल की सहमति के बाद जहाज ने आगे बढ़ने का फैसला किया। आखिरकार, यह टैंकर भारत पहुंचने में सफल रहा और न्यू मैंगलोर बंदरगाह पर करीब 45,000 टन एलपीजी लेकर पहुंचा।

इसी तरह एक अन्य भारतीय टैंकर 'जग वसंत' कांदला पोर्ट पर 47,612 टन एलपीजी लेकर पहुंचा। इस पूरे अभियान में भारतीय नौसेना ने अहम भूमिका निभाई।

रिपोर्ट के अनुसार, चार भारतीय युद्धपोतों ने पाइन गैस को ओमान से अरब सागर तक करीब 20 घंटे तक सुरक्षा प्रदान की।

गौरतलब है कि युद्ध के चलते एलपीजी की आपूर्ति में बाधा आने की आशंका थी, जिससे भारत में संभावित कमी को लेकर चिंता बढ़ गई थी। हालांकि, इन टैंकरों के सुरक्षित पहुंचने से फिलहाल राहत मिली है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाक पर समुद्री हमला करने में बस कुछ ही मिनटों की थी देरी

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने एक कार्सक्रम में किया खुलासा

नई दिल्ली ।

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत, पाकिस्तान पर समुद्र से सीधा हमला करने के बेहद करीब पहुँच गया था। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना का संकल्प इतना अडिग था कि दुश्मन पर प्रहार करने के लिए बस कुछ ही मिनटों की देरी थी। नौसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर की जमकर तारीफ़ की और कहा कि यह भारतीय नौसेना के संकल्प को दर्शाता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नौसेना अलंकरण समारोह में अधिकारियों को संबोधित करते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि नौसेना ने इस पूरी अवधि के दौरान बेहद आक्रामक रुख बनाए रखा। अब यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि हम समुद्र से पाकिस्तान पर हमला करने से बस कुछ ही मिनट दूर थे, जब उन्होंने सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया। ऑपरेशन सिंदूर 7 मई, 2025 को शुरू किया गया था, जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में एक आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों के मारे जाने के बाद। भारत ने इन हत्याओं का बदला लेने और पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने के लिए यह सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए थे, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ दिनों तक सैन्य संघर्ष चला और फिर 10 मई को सीजफायर की घोषणा की गई।

त्रिपाठी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की कार्रवाइयों ने राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मज़बूत किया और पश्चिमी तट पर एक ऐतिहासिक रात भर की यात्रा के दौरान पीएम मोदी को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान त्वरित

और दृढ़ कार्रवाइयों के जरिए भारतीय नौसेना ने अपनी क्षमताओं पर राष्ट्र के आत्मविश्वास और भरोसे को और मज़बूत किया। ऑपरेशन सिंदूर और पूरे साल जारी रहा।

कर्मचारी के महिला को थप्पड़ मारने के बाद अस्पताल की ओपीडी पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री

पटियाला ।

पटियाला के माता कौशल्या अस्पताल में बुधवार को एक कर्मचारी द्वारा पर्ची बनवाने के लिए लाइन में लगी महिला को थप्पड़ मारने का मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह वीरवार अस्पताल की ओपीडी में पहुंचे। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने पर्ची काउंटर पर पर्ची बनवाने के लिए लाइन में लगी महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और तुरंत अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के निर्देश भी दिए। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री द्वारा महिला को थप्पड़ मारने के मामले को लेकर अस्पताल अधिकारियों से बातचीत की।